

## झलक एक अपनी दिखा मुरली वाले | By Kumari Gunjan

झलक एक अपनी दिखा मुरली वाले  
सम्भलता नहीं दिल सँभालु मैं कैसे  
बता दे तू ही कैसे इसको सम्भाले

कानो में तेरी बंसी की धुन जो पड़े  
ऐसा लगता बजाते मिलोगे खड़े  
मगर खाये धोखा ये नज़रें हमारी  
दिखाई ना दो नज़रे जिधर हम डाले

माना छलिया है तू ओ मेरे सांवरे  
ढूँढ़ते तुझको ये थक गए पाँव रे  
हैं मंज़ूर सब कुछ तेरा श्याम प्यारे  
सितम चाहे जितना मुझपे तू ढाले

देखूँ जी भर तुझे है तमन्ना मेरी  
आँखें हो ये मेरी और सूरत तेरी  
भरी आंसुओं से कुंदन की आँखियाँ  
तू छलका दे आके इन आंसुओं के प्याले  
झलक एक अपनी .....

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9d%e0%a4%b2%e0%a4%95-%e0%a4%8f%e0%a4%95-%e0%a4%85%e0%a4%aa%e0%a4%a8%e0%a5%80-%e0%a4%a6%e0%a4%bf%e0%a4%96%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a5%81%e0%a4%b0%e0%a4%b2%e0%a5%80-%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b2/>